भारतीय जनता पार्टी

(केन्द्रीय कार्यालय)
11, अशोक रोड नई दिल्ली – 110001
फोन. नं. : 23005700; **फैक्स :** 23005787

मुंबई – 23 सितम्बर, 2008

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजनाथ सिंह द्वारा जारी प्रेस वक्तव्य

भारत आजकल बड़े ही नाजुक दौर से गुजर रहा है। आतंकवादी हमलों में आयी अचानक तेजी एक गंभीर चिंता का विषय बन गई है। देश में आजकल जैसे हालात है उन्हें देखते हुए कहा जा सकता है कि एक बहुत बड़ा संकट पैदा हो गया है। वर्ष 2004 से देश में कम से कम एक दर्जन श्रृंखलाबद्ध बम विस्फोटों की घटनाएं हुई हैं, जिनमें 550 से भी अधिक लोग मारे गये और कई हजार लोग घायल हुए हैं। पिछले पांच महीनों में देश के चार प्रमुख शहरों जयपुर, बंगलौर, अहमदाबाद और दिल्ली को निशाना बनाया गया, जिनमें 150 लोग मारे गये और कई सौ लोग घालय हुए।

आतंकवाद की बढ़ती घटनाओं के साथ–साथ देश में बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण हालात बद से बदतर हो रहे हैं। देश में हालात इतने खराब है कि सुप्रीम कोर्ट तक को कहना पड़ा है कि जिस पैमाने पर देश में अवैध घुसपैठ हो रही है वह किसी 'बाहरी आक्रमण' से कम नहीं है।

यह देश इन खतरों की कड़वी सच्चाई को नजर–अंदाज नहीं कर सकता, जो लगातार हमारे धैर्य की परीक्षा ले रही है और जवाब देने की हमारी क्षमता को चनौती दे रही है। स्थिति की गम्भीरता को देखते हुए हमारे देश के शत्रुओं द्वारा रचे जा रहे कुचक्र को पूरी तरह ध्वस्त करने के लिए एक राष्ट्रीय संकल्प का निर्माण करने की आवश्यकता है। **आतंकवादियों के बम आतंक पैदा करते समय लोगों के बीच किसी तरह का अंतर नहीं करते। खून हमेशा निर्दोष का ही बहता है चाहे वह किसी भी मजहब, जाति, प्रजाति, भाषा, राजनीतिक विचारधारा या आर्थिक हैसियत का हो।**

राष्ट्रीय संकल्प, रणनीतिक योजना और निर्णायक कार्यवाही आज आतंकवाद की समस्या का खात्मा करने के लिए समय की मांग बन गये है। हमारे देश की बहुलता तथा सांस्कृतिक विविधता से आतंकवाद जैसी समस्या का सामना करने के लिए हमारा रवैया प्रभावित नहीं होना चाहिए। और न ही इस विविधता का बहाना लेकर मानवता के विरूद्ध जघन्य अपराध करने वालों को दण्ड देने वाले हमारे कानूनी ढांचे में कोई अंतर होना चाहिए। अगर महाराष्ट्र में प्रभावशाली प्रशासन और न्याय के लिए मकोका (MACOCA) बनाया जा कसता है तो गुजरात, राजस्थान और मध्यप्रदेश में उन्हीं कानूनी प्रावधानों को अस्तित्व में आने से क्यों रोका जा रहा है ? क्योंकि आतंकवाद न तो किसी सीमा में बंधा है और न ही वह मानवता समझता है।

आतंकवाद को जड़ से समाप्त करने के लिए हमारा संकल्प और कार्यवाही राष्ट्रीय स्तर के साथ–साथ, क्षेत्रीय स्तर पर और साथ ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दिखाई देना चाहिए। कोई इस बात से कैसे इंकार कर सकता है कि हाल में हुए दिल्ली बम धमाकों के दोषियों को पकड़ने में मध्यप्रदेश, गुजरात और राजस्थान की पुलिस द्वारा दी गई सामूहिक जानकारियां और उनके द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर किए गये प्रयासो का भी पूरा योगदान था। आज सूचना का प्रवाह एक दिशा में था; कल को यह विपरीत दिशा में हो सकता है। लेकिन, **सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि राष्ट्र के व्यापक हितों के लिए हम सभी को सामूहिक रूप से सही दिशा में बढ़ना होगा।**

ऐसे नाजुक समय में, भारत के प्रधानमंत्री अमेरिका की एक महत्वपूर्ण यात्रा पर गये हुए है; जहां उनकी पाकिस्तान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति श्री आसिफ अली जरदारी से भी भेंट होनी है। **पाकिस्तान के साथ अच्छे पड़ोसी के संबंध रखने की भारत की इच्छा के बहाने भारत के विरूद्ध आतंकवादी ढांचा खड़ा करने में पाकिस्तान की भूमिका के प्रमाण मिलने की हकीकत को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। जहां कोई हमेशा भूतकाल में नहीं जी सकता, वहीं हमें ऐतिहासिक सच्चाई की भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए। सीमापार आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान की कथनी और करनी के अंतर का पूरा एक इतिहास है।** जहां एक ओर हम पाकिस्तान के उन लोगों के प्रति सहानुभूति रखते हैं, जिन्हें हाल ही में आतंकवादी हिंसा का शिकार होना पड़ा है, वहीं हमें यह भी याद रखना चाहिए कि पाकिस्तान अब उसी दैत्य से लड़ रहा है, जिसको उसने भारत को पीड़ा पहुंचाने के लिए कई दशकों से पाल–पोस कर बड़ा किया है। हमारे दोनों देशों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध बने रहें इसकी गुरूतर जिम्मेदारी मुख्यतः पाकिस्तान की बनती है, जिसे अपनी कथनी को करनी के माध्यम से सही साबित करना होगा।

पूरा देश प्रतीक्षा कर रहा है कि यूपीए सरकार और उसका नेतृत्व एक राष्ट्रीय संकल्प, रणनीतिक योजना और निर्णायक कार्ययोजना का निर्माण करने की दिशा में राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर ऐसे कौन से कदम उठाता है ताकि आतंकवाद का सफाया हो सके और भारत की जनता पुनः अपना जीवन शांति और सुरक्षा के वातावरण में गुजार सके।

यह जिम्मेदारी सरकार की बनती है कि वह सभी राजनीतिक दलों के साथ ईमानदारीपूर्वक बातचीत करे, जिससे कि राष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद का हमेशा के लिए खात्मा करने के लिए एक आम सहमति बन सके।

✲✲✲✲✲